



आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क:
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE.



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan.

रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road.

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142

Email: cexappealsrajkot@gmail.com

रजिस्टर्ड ब्रॉक ए. डी. द्वारा :-

क अपील / फाइल संख्या /
Appeal / File No.
V2/215/BVR/2017

मूल आदेश सं /
O.I.O. No.
01/D/2017-18

दिनांक /
Date
28.04.2017

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-261-2017-18

आदेश का दिनांक /
Date of Order: 28.03.2018

जारी करने की तारीख /
Date of issue: 05.04.2018

05.04.2018

Passed by **Dr. Balbir Singh, Additional Director General (Taxpayer Services), Ahmedabad Zonal Unit, Ahmedabad.**

अधिसूचना संख्या २६/२०१७-के.उ.शु. (एन.टी.) दिनांक १७.१०.२०१७ के साथ पढे बोर्ड ऑफिस आदेश सं. ०५/२०१७-एस.टी. दिनांक १६.११.२०१७ के अनुसरण में, डॉ. बलबीर सिंह, अपर महानिदेशक करदाता सेवाएँ, अहमदाबाद जोनल यूनिट को वित्त अधिनियम १९९४ की धारा ८५, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम १९४४ की धारा ३५ के अंतर्गत दर्जे की गई अपील के सन्दर्भ में आदेश पारित करने के उद्देश्य से अपील प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है.

In pursuance to Board's Notification No. 26/2017-C.Ex.(NT) dated 17.10.2017 read with Board's Order No. 05/2017-ST dated 16.11.2017, Dr. Balbir Singh, Additional Director General of Taxpayer Services, Ahmedabad Zonal Unit, Ahmedabad has been appointed as Appellate Authority for the purpose of passing orders in respect of appeals filed under Section 35 of Central Excise Act, 1944 and Section 85 of the Finance Act, 1994.

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित: /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellants & Respondent :-**
M/s ArdeecEng(Sau) P. Ltd., Industrial Area ,Wadhwan City,Surendranagar.363 030

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

- (A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।/
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-
- (ii) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए।/
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.
- (iii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, , द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए।/
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above.

- (iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

- (B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

- (ii) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियां संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी।

The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

- (iii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है

- धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
- सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि
- सेनवेट जमा नियमवली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

- बशर्त यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचारार्थान स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगा।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- amount determined under Section 11 D;
- amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) **भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :**

Revision application to Government of India:

इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of an excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
- (iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भगतान के लिए जो इयूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समायाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। /
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भगतान, उपरोक्त ढंग से किया जाना चाहिये। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पट्टी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केंद्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O, should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। /
One copy of application or O.I.O, as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-1 in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य सम्बन्धित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलाधी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। /
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

ORDER IN APPEAL

M/s. Ardeec Engineering (Sau.) Pvt. Ltd., Industrial Area, Trolley Road, Wadhwan City, Surendranagar (hereinafter referred to as "the appellant") having Central Excise Registration No. AABCA7478EXM001 as manufacturer of excisable goods falling under Chapter 84 of the First Schedule of Central Excise Tariff Act, 1985 and availing CENVAT Credit facility under CENVAT Credit Rules, 2004 (hereinafter referred to as "CCR, 2004"), has filed this appeal against the OIO No. 01/D/2017-18 dated 28.04.2017 (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Superintendent, Range-I, Central Excise Surendranagar Division, Surendranagar (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

2/- Briefly stated, the facts are that a Show Cause Notice dated 09.01.2017 was issued to the appellant alleging that during the period from March 2015 to December 2016, they had wrongly availed CENVAT Credit amounting to Rs.1,15,957/- of the Service Tax paid on input Services which were rendered in their windmill located at Kalyanpur, Dist. Jamnagar. The windmill was installed for generation of electricity to be supplied to GEB who, in turn, set off the same in the manufacturing unit of the appellant at Surendranagar after deducting 7% transmission loss. The Notice, therefore, *inter-alia* demanded CENVAT Credit wrongly availed / utilised along with interest and further proposed penalty on the appellant.

3/- This Notice was adjudicated vide OIO No. 01/D/2017-18 dated 28.04.2017 by the Superintendent, Central Excise Division Surendranagar wherein the adjudicating authority disallowed the said CENVAT Credit amounting to Rs.1,15,957/- and confirmed the same under Rule 14 of CENVAT Credit Rules, 2004 read with Proviso to Section 11A(10) of the Central Excise Act, 1944 along with interest under Rule 14 of the CENVAT Credit Rules, 2004 read with Section 11AA of Central Excise Act, 1944 and imposed penalty of Rs. 50,000/- upon the appellant under Rule 15(2) of the CENVAT Credit Rules, 2004.

4/- Feeling aggrieved, the appellant filed this Appeal on the following grounds:-

- That the confirmation of the demand based on the decision of the Hon'ble Supreme Court in case of M/s Maruti Suzuki Ltd. reported in 2009-20-ELT-641 in as much as the said decision has been differed by the Apex Court as reported in 2010-260-ELT-321.
- That relying on the decisions in the cases of M/s Rajhans Metals V/s CCE, Rajkot, M/s Atul Auto V/s CCE etc. in confirming the demand is an error as the decisions are no more good in law in view of the decisions in the case M/s Parry Engg & Electronics P.Ltd. by CESTAT Ahmedabad and in case of M/s Rolex Rings Pvt. Ltd. by the Commissioner (A), Rajkot.
- That the Penalty has been wrongly imposed in view of various decisions. The issue relates to interpretation of relevant clause and in any case, the criteria laid down in the Rule 15(2) are not applicable. The appellant has also relied on various cases laws against imposition of Penalty in their submissions.
- The Appellant relied upon various Case Laws in support of their claim to set aside the impugned order as detailed below.
 - Rajatan Global Wires Ltd. V/s Commr. Of C.Ex.Indore - (2012 (26)-STR 117- Tri. Del.)
 - Commr. Of C.Ex. Nagpur V/s Ultratech Cement Ltd. - (2011 [21] STR 297 (Tri. Mum.))
 - Deepak Fertilizers & Petrochemicals Corp. Ltd. V/s Commr. Of C.Ex., Belapur- (2013 (32) STR 532 (Bom))
 - Maharashtra Seamless Ltd. V/s CCE, Raigad ((2012 (286)-ELT-93(Tri.Mum.)).
 - M/s Parry Engg & Electronics P.Ltd. V/s CCE & ST A'bad-I/II/III (2015 (40) STR 243 (Tri.LB).



5/- The appeal was filed before the Commissioner (Appeals), Rajkot. The undersigned has been nominated as Commissioner (Appeals) / Appellate Authority as regards to the case of appellant vide Board's Order No. 05/2017-Service Tax dated 16.11.2017 issued by the Under Secretary (Service Tax), G.O.I, M.O.F, Deptt of Revenue, CBEC, Service Tax Wing on the basis of **Board's Circular No. 208/6/2017-Service Tax dated 17.10.2017.**

6/- Personal hearing was held on 12.03.2017. The appellant's representative appeared for the PH and reiterated the submissions made earlier. They also submitted a copy of the OIA No. BHV-EXCUS-000-APP-064-2017-18 dated 04.12.2017 passed by the Commissioner (Appeals), Rajkot in their case for earlier period.

7/- I have carefully gone through the facts of case, the grounds mentioned in the appeal and the submissions made by the appellant. The question to be decided in the appeal is as to whether the appellant is eligible for the CENVAT Credit on input services utilized for their windmill located at Jamnagar and the electricity so manufactured used at the manufacturing unit of the appellant at Surendranagar or otherwise.

8/- I find that the appellant has availed CENVAT Credit of the Service tax paid on input services viz. (mainly Repairing & Maintenance Services), consumed for their windmill, situated at Jamnagar District. I also find that the electricity so generated from said windmill is supplied to GEB (PGVCL), who, in turn, partially set off the same in the manufacturing unit of the appellant at Surendranagar after deducting 7% transmission loss, and partially remain with themselves i.e. with GEB (PGVCL) for subsequent sale.

9/- I also find that the issue in respect of same appellant for earlier period has already been decided by the Commissioner (Appeals), Rajkot vide OIA No. BHV-EXCUS-000-APP-064-2017-18 dated 04.12.2017, wherein the Commissioner (Appeals) allowed the CENVAT Credit on the input services only to the extent actually used/utilised in the manufacture of the final products, and denied the credit on account of sale of electricity. In the said order, the Commissioner (Appeals) has discussed all the issues raised by the appellant at length, and I rely upon the same.

10/- I further find that the adjudicating authority has held in para 25 of the impugned order that:-

"As per the definition of input service in terms of Rule 2(l) of CCR, 2004, any credit of input services is admissible to the extent the said services has been actually used/supplied to the factory premises"

11/- However, the adjudicating authority had denied the full credit in this case holding in para 26 of the impugned order that:-

"In the instant case, the entire electricity generated at the windmill has not been supplied, hence, the noticee is not eligible to the proportionate credit which is attributable to the electricity which has not been used / supplied in the factory premises"

12/- In view of the above, I find that the adjudicating authority has denied the credit on the ground of non-availability of amount of proportionate credit, which is not correct in as much as the amount has already been quantified by the adjudicating authority in para 25 of the impugned order.

13/- Hence, as calculated at para 22 of the impugned order, I find that the appellant is only eligible for the Cenvat Credit on input services to the extent of Rs.54,313/- and not eligible for the Cenvat Credit on input services to the extent of Rs.61,644/- proportionately along with applicable interest under Rule 14 of the CCR, 2004 read with Section 11AA of the Central Excise Act, 1944 on the proportion of wrongly availed Cenvat Credit.



14/- As regards to the imposition of penalty of Rs.50,000/- on the appellant under Rule 15(2) of the CCR, 2004, I find that the SCN was issued to the appellant invoking extended period as provided under Proviso to Section 11A of Central Excise Act, 1944. I also find that the details related to generation / sale of electricity is available on record. Accordingly in view of the provisions of Section 11AC(1)(c) of Central Excise Act, 1944, the appellant is liable to pay a penalty equal to fifty percent of the wrongly availed Cenvat Credit. Hence, I reduce penalty of Rs.30822/- (i.e. 50% of the wrongly availed Cenvat Credit of Rs.61644/-) from Rs.50,000/- as imposed in the impugned order.

15/- In view of the foregoing discussion, the **OIO is upheld** to the above extent and the Appeal filed by the appellant is hereby disposed off.


(Dr. Balbir Singh)

Additional Director General (DGTS),
AZU, Ahmedabad

F.No. V2/215/BVR/2017

Date : /03/2018

BY RPAD,

M/s. Ardeec Engineering (Sau.) Pvt. Ltd.,
Industrial Area, Trolley Road,
Wadhwan City,
Surendranagar

Copy to :

1. The Chief Commissioner, CGST & Central Excise, Ahmedabad Zone.
2. The Commissioner, CGST & Central Excise, Bhavnagar / Commissioner (Appeals), Rajkot.
3. The Jurisdictional Dy. / Assistant Commissioner, Central Excise & Service Tax Bhavnagar.
4. The J1/Addl Commissioner, Systems, CGST, Rajkot
5. Guard File.